an>

Title: Situation arising out of acute shortage of water in Bundelkhand Parliamentary Constituency.

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं सदन का ज्यादा समय नहीं लूंगा। मैं बुंदेलखंड क्षेत्र से आता हूं। आदरणीय सदस्य ने जिस विÂषय को उठाया है, हम किसी भी विÂषय पर बोले, मुझे ऐसा लगता है कि घर में कोई भूखा और प्यासा बैठा हो और हम किसी उत्सव या समारोह में शामिल हो रहे हैं, उसी प्रकार से किसी भी विÂषय को सदन में रखता हूं तो मुझे लगता है कि किसानों से संबंधित विÂषय ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। हमारे यहां पानी के लिए त्राहि-त्राहि मचा हुआ है। वहां कोई भी ऐसा गांव नहीं है जहां पानी का समुचित प्रबंधन हो। वहां का दृश्य बहुत ही भयवाह है, मेरे पास बहुत सारे फोटोग्राफस हैं, मैंने समय लेकर ग्रामीण विकास मंत्री जी से भी बात की थी। मेरे संसदीय क्षेत्र ही नहीं पूरे बुंदेलखंड के एक-एक गांव में पानी की टंकी बनाकर सप्लाई का इंतजाम किया जाए। आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं, हम एमपीलैड से किसी कार्य के लिए पैसा नहीं दे रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदया, हम वहां पर केवल पेयजल के लिए पैसा दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों का काम करने का जो तरीका है, वह ठीक प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि जो हैंडपम्प हम स्वयं लगवाएं या जो वहां के ब्यूरोक्रेट्स वे यदि अपने घर में हैंडपम्प लगवाते होंगे, वह 30 या 40 हजार रुपए में लग जाता होगा, लेकिन यदि हम उसी हैंडपम्प को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजना से लगवाने के लिए कहते हैं, तो उसकी लागत 72 हजार रुपए आती है। इस प्रकार से धन का दुरुपयोग हो रहा है। दूसरी चीज यह है कि हम लोगों को वहां हैंडपम्प नहीं दिए जाते हैं। इसलिए मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन है कि हमारे यहां के जितने भी पूरे गांव हैं, यदि मैं यहां उनका नाम लूंगा, तो सदन का ज्यादा समय लगेगा, इसलिए मैं यहां उनके नहीं ले रहा हूं, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि वहां जितने भी गांव हैं, जितने भी कस्बे हैं, उनमें से एक-एक गांव और एक-एक कस्बे में पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। मेरा निवेदन है कि बुंदेलखंड फिर चाहे वह उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में हो या मध्य प्रदेश के क्षेत्र में वहां के सांसदों को भारत सरकार की ओर से 2-2 हजार हैंडपम्प दिए जाएं। ...(व्यवधान)...

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, मेरा निवेदन है कि सांसद निधि को रीचार्जिंग सिस्टम पर खर्च करना चाहिए। मेरी सलाह है कि रीचार्जिंग सिस्टम नाम की भी कोई चीज होती है। उस पर भी सोचो और उस पर सांसद निधि खर्च करो। इससे वॉटर लैवल ऊपर आ जाएगा। अब आप बोलिए।

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल: माननीय अध्यक्ष महोदया, हमारे यहां डॉर्क जोन है। आपने रीचार्जिंग सिस्टम पर ध्यान देने की बात कही, वह ठीक है। उससे वॉटर लैवल ऊपर आ जाएगा।

अध्यक्ष महोदया, मेरा निवेदन है कि सर्फेस वॉटर का मैनेजमेंट किया जाए। हमारे पूरे क्षेत्र में 1000 वर्ष पहले 7200 तालाब बनाए गए थे। अगर उन्हीं का प्रॉपर तरीके से संरक्षण हो गया होता, तो आज हमारा बुन्देलखंड पानी की कमी के कारण नहीं कराह रहा होता। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मेरी ओर से आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा सदन में प्रस्तुत किए गए विÂषय से

सर्वश्री दहन मिश्रा,

शरद त्रिपाठी,

भैरोंप्रसाद मिश्र,

अजय मिश्र टेनी एवं

श्री सुधीर गुप्ता अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।